भारतीय रिज़र्व बैंक

भारत की वित्तीय प्रणाली के हरितकरण को समर्थन हेतु प्रतिबद्धता वक्तव्य - एनजीएफएस

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) एनजीएफएस घोषणा का समर्थन व्यापक तौर पर करता है। हम वित्तीय क्षेत्र में जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके जलवायु वित्त में सर्वोत्तम प्रथाओं के विकास को परिभाषित करने, बढ़ावा देने और योगदान करने में एनजीएफएस के समन्वय संबंधी प्रयासों की सराहना करते हैं।

अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, प्राथमिकताओं और वित्तीय प्रणाली की जटिलता को ध्यान में रखते हुए, रिज़र्व बैंक, विशेष रूप से, निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध है:

- यह पता लगाने कि आरबीआई पर्यवेक्षित संस्थाओं के तुलन-पत्रों, कारोबारी मॉडलों में कमज़ोरियों तथा जलवायु संबंधी वित्तीय जोखिमों के आकलन और प्रबंधन की उनकी क्षमताओं में कमियों की पहचान करने में जलवायु परिदृश्य से जुड़े कार्यों का उपयोग कैसे किया जा सकता है;
- वित्तीय स्थिरता निगरानी में जलवायु संबंधी जोखिमों को शामिल करने;
- विनियमित वित्तीय संस्थाओं में जलवायु संबंधी जोखिमों के बारे में जागरूकता पैदा करने और जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों और तद्नुसार उनसे निपटने के तरीकों के बारे में ज्ञान का प्रसार करने।

म. राजेश्वर राव

(म. राजेश्वर राव)
उप गवर्नर
भारतीय रिज़र्व बैंक